18-05-2023

एडॉप्ट ए हेरिटेज योजना नए रूप

समाचार पत्रों में क्यों?

केंद्रीय संस्कृति मंत्री ने हाल ही में कहा था कि मंत्रालय एक संशोधित 'एडॉप्ट ए हेरिटेज' या 'स्मारक मित्र' योजना शुरू कर सकता है।

त्वरित मुद्दा?

- यह संस्कृति मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सहयोग से पर्यटन मंत्रालय की एक पहल है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- इसे सितंबर 2017 में विश्व पर्यटन दिवस पर लॉन्च किया गया था।
- इसके तहत, सरकार पूरे भारत में चयनित स्मारकों और विरासत और पर्यटन स्थलों को विकसित करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों, निजी क्षेत्र की फर्मों, साथ ही व्यक्तियों सहित संस्थाओं को आमंत्रित करती है।
- परियोजना का उद्देश्य इन संस्थाओं को 'स्मारक मित्र' बनने के लिए प्रोत्साहित करना और इन स्थलों पर बुनियादी और उन्नत पर्यटक सुविधाओं के विकास और उन्नयन की जिम्मेदारी लेना है।
- विरासत स्थल पर सभी सुविधाओं के विकास के लिए बोली लगाने वालों की 'दृष्टि' के आधार पर पर्यटन सचिव और संस्कृति सचिव की सह-अध्यक्षता वाली 'पर्यवेक्षण और दृष्टि समिति' द्वारा स्मारक मित्रों का चयन किया जाता है।
- निरीक्षण समिति के पास गैर-अनुपालन या गैर-प्रदर्शन के मामले में समझौता ज्ञापन को समाप्त करने की भी शक्ति है।
- कॉर्पोरेट क्षेत्र से साइट के रखरखाव के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधियों का उपयोग करने की अपेक्षा की जाती है।
- बदले में, स्मारक मित्रों को साइट परिसर और अतुल्य भारत की वेबसाइट पर सीमित दृश्यता मिलेगी।

उत्साह पोर्टल

समाचार पत्रों में क्यों?

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और प्रभावशीलता में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

त्वरित मुद्दा?

- उच्च शिक्षा में पारदर्शिता, पहुंच और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'उत्साह' नामक एक नया पोर्टल लॉन्च किया गया है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और इसके रणनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- यूजीसी द्वारा लॉन्च किया गया उत्साह पोर्टल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन और उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) में इसकी रणनीतिक पहलों को प्रभावी ढंग से ट्रैक करने और प्रभावी ढंग समर्थन करने के लिए डिजाइन किया गया है।
- यह हितधारकों को एक व्यापक मंच प्रदान करता है, जो उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में यूजीसी की पहल और प्रयासों के बारे में व्यापक जानकारी प्राप्त करने की अनुमति देता है।
- उपयोगकर्ता के अनुकूल निर्मित इंटरफेस और वर्गीकृत जानकारी छात्रों, शिक्षकों और विश्वविद्यालयों के लिए नेविगेट करने और प्रासंगिक संसाधनों को खोजने में आसान बनाता है।
- उत्साह पोर्टल विभिन्न हितधारकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने होम पेज पर विभिन्न प्रमुख पहलों की पेशकश करता है। छात्र महत्वपूर्ण अद्यतन, छात्रवृत्ति और संसाधनों के लिए 'छात्र कोनों' अनुभाग का पता लगा सकते हैं।
- इसी तरह, संकाय सदस्य व्यावसायिक विकास के अवसरों, अनुसंधान अनुदानों और शिक्षण संसाधनों के लिए 'संकाय कोनों' अनुभाग तक पहुंच सकते हैं।
- पोर्टल यूजीसी की पहल और योजनाओं के लिए डैशबोर्ड और ई-गवर्नेंस पोर्टल सहित विभिन्न प्रकार के विश्वविद्यालयों के बारे में भी जानकारी प्रदान करता है।

लंदन इंटरबैंक ऑफर रेट

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को 1 जुलाई तक लंदन इंटरबैंक ऑफर रेट (LIBOR) पर अपनी निर्भरता समाप्त करने को कहा है।

त्वरित मुद्दा?

- यह एक बेंचमार्क ब्याज दर है, जिस पर प्रमुख वैश्विक बैंक अल्पावधि ऋण के लिए अंतरराष्ट्रीय इंटरबैंक बाजार में एक दूसरे को उधार देते हैं ।यह अल्पकालिक ब्याज दरों के लिए एक बेंचमार्क के रूप में कार्य करता है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- यह कॉर्पोरेट और सरकारी बांड, बंधक, छात्र ऋण, क्रेडिट कार्ड, डेरिवेटिव और अन्य वित्तीय उत्पादों के लिए आधार के रूप में भी कार्य करता है।
- LIBOR को इंटरकांटिनेंटल एक्सचेंज(ICE) द्वारा प्रशासित किया जाता है।
- इसकी गणना पाँच मुद्राओं के लिए की जाती है, जिसमें सात अलग-अलग परिपक्वताएँ होती हैं, जो एक रात से लेकर एक वर्ष तक की होती हैं।

- जिन पांच मुद्राओं के लिए LIBOR की गणना की जाती है, वे स्विस फ्रैंक, यूरो, पाउंड स्टर्लिंग, जापानी येन और अमेरिकी डॉलर हैं।
- इसने 2008 के वित्तीय संकट के साथ-साथ दर निर्धारित करने वाले बैंकों के बीच LIBOR हेरफेर से जुड़े घोटालों में भूमिका निभाई।
- 2012 में, LIBOR को जिस तरह से स्थापित किया गया था, उसकी जाँच ने लाभ के लिए दरों में हेरफेर करने के लिए कई बैंकों के बीच एक व्यापक, लंबे समय तक चलने वाली योजना को उजागर किया।
- LIBOR अल्पकालिक बाजार की तरलता और मूल्य अस्थिरता के प्रति अधिक संवेदनशील हो गया है जो प्रणालीगत जोखिम पैदा कर सकता है।
- सुरक्षित ओवरनाइट फाइनेंसिंग रेट (SOFR) का व्यापक रूप से दुनिया भर में LIBOR के विकल्प के रूप में उपयोग किया जा रहा है।

भारत ने समुद्र शक्ति-23

समाचार पत्रों में क्यों?

भारत और इंडोनेशिया के बीच द्विपक्षीय अभ्यास, जिसे समुद्र शक्ति-23 के नाम से जाना जाता है, हाल ही में शुरू हुआ।

त्वरित मुद्दा?

- इस अभ्यास में भाग लेने के लिए स्वदेश निर्मित एंटी-सबमरीन वारफेयर कार्वेट INS कवरत्ती इंडोनेशिया के बाटम पहुंचा।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- समुद्र शक्ति अभ्यास का प्राथमिक उद्देश्य भारत और इंडोनेशिया की नौसेना बलों के बीच अंतःक्रियाशीलता और आपसी सहयोग को बढ़ाना है।
- संयुक्त अभ्यास आयोजित करके और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करके, नौसेना का उद्देश्य अपनी परिचालन क्षमताओं को मजबूत करना और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बढ़ावा देना है।
- भारत ने समुद्री संचालन में अपनी उन्नत क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए इस अभ्यास के लिए डोर्नियर समुद्री गश्ती विमान और चेतक हेलीकॉप्टर तैनात किया है।
- इंडोनेशियाई पक्ष में, KRI सुल्तान इस्कंदर मुदा, CN 235 समुद्री गश्ती विमान, और AS565 पैंथर हेलीकाप्टर भाग ले रहे हैं।
- बंदरगाह चरण में क्रॉस डेक यात्राओं, पेशेवर बातचीत, विषय वस्तु विशेषज्ञों के आदान-प्रदान जैसी प्रमुख गतिविधियां शामिल हैं। यह इंटरेक्शन भारतीय और इंडोनेशियाई नौसेना कर्मियों के बीच गहरी समझ और सहयोग की सुविधा प्रदान करता है।

- समुद्री चरण के दौरान, इस अभ्यास में गतिशील अभ्यास शामिल हैं, जिसमें हथियार फायरिंग, हेलीकाप्टर संचालन, पनडुब्बी रोधी युद्ध, वायु रक्षा अभ्यास और बोर्डिंग संचालन शामिल हैं। ये अभ्यास भाग लेने वाले बलों के बीच सामरिक कौशल और समन्वय को बढ़ाते हैं।
- संयुक्त प्रशिक्षण और सहयोग के लिए एक व्यापक अवधि सुनिश्चित करने के लिए समुद्र शक्ति-23 अभ्यास 19 मई तक चलेगा। यह द्विपक्षीय अभ्यास क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और सहयोग के प्रति भारत और इंडोनेशिया दोनों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- यह दोनों नौसेनाओं के बीच उच्च स्तर की अंतर-संचालनीयता और शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए उनके साझा समर्पण को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

KAUTILYA ACADEMY INDORE